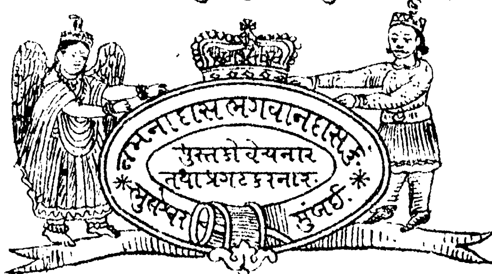
# तोहफ़ये दीलफ़रोश

उर्दू

# नई इन्दर सभा

तालीफ़ कीया

मुनशी सैयद आहमद मुतअल्लुस "जहरीफ़" ने




शेअर { मदरसेमें आशकोंके जिसकी बीसमील्लाह हो;
उसका पहेलाही सबक यारो फ़ना फ़ील्लाह हो.



मुंबई:-बॉम्बे सिटि प्रेसमें छापा हुये.

ई.स.१८८९. कीम्मत दो आने.

हमणांज छपाई बाहेर पड्यो छे.

# गुलशने बेहार

## उर्फे

## तमाशाहाये पुरजहार.

(के जेनी अंदर नीचे लखेला उरदु खेलो, बे जलसाओ, जंदगीओ, जनजराना गायनो, तथा मुजराओमां गवाती १५० गजलोनो संग्रह कीधो छे.)

## खेलोना नाम:-

१. जमजमे सखावत.
२. नकशे सुलेमानी.
३. नई इन्दर सभा.
४. तमाशाये चांदणी.
५. बकावलीओ ताजुलमुल्क.
६. शीरीन फरहाद.
७. अलीबाबा चालीस चोर.
८ चंद्रबदन मोहीयार.
९ मकेरुना (अफसरे चरत्तर.)
१० बे जलसा.
११ जंदगीओ.
१२ जनजराना गायनो.
१३ मुंजराओमां गवाती १५० गजलो.

## किंमत रुपीआ सवा.

आ पुस्तक घणुंज सरस अने रमुज ७०० पानांनुं छपायुं छे. जेनी खुबी वांच्या पाछी कदापी मालम पडशे नही. जे नकल मंगावशे तेनी पासेथी पोस्टेज खरच लीधामां आवशे नही.

मेहता जमनादास भगवानदास कुं. भुलेश्वर-मुंबई.

३७२५

# तोहफ़ए दीलफ़रोशा

उर्फ़

## नई ईन्दर सभा.

### तफ़्सीले नाटक.

गुलज़ारशाह ...... अख़तरनगरका बादशाह.

वज़ीर ...... गुलज़ारशाहका.

गुलफ़ाम ...... पीसर गुलज़ारशाह.

ईन्दर ...... शोहेनशाह परस्तान.

सब्ज़परी ...... परयोंकी अफ़सर व माअशुके गुलफ़ाम.

पुखराजपरी ......
नीलमपरी ......
लालपरी ......
} सभाए ईन्दरकी रक़ासें व मुगन्नीयें.

लालदेव ......
कालादेव ......
} हुकमाबरदारे शाहे ईन्दर.

चोबदार - नजुमी - खवास - हथयारी - रईयत - वगैरा.

**मुकाम** - अख़तरनगर - संगलदीप - परस्तान.

---

**ईतलाए ज़रूरी** - ये नाटक सने पटछण के रुपमे कायदेके मुताबीक रजीस्टर कीया हुवे. ईसलीये ईसको कोईभी बाप उरदु हर्फ़में या गुजराती हर्फ़में मेहेता जमनादास भगवानदासकी कंपनीकी रजामंदीबगैर कीसीनें छापना नहीं.

# बाब पहेला-परदा पहेला

## तख़्तगाह.



( दिखलाई देना मोअ्मदूज बयठे हुवे वज़ीरो, अमीरो, अहले ज़ारोज़ा मअे शामीआगरोके और नेदाकरना चोबदारका आ-मदे शाही.)

## मुसद्दस.

**चोबदार**—आमद हय आसोआम में गुलज़ारशाहकी.
आमद हय बसद शौकतो हशमत पनाहकी.
क्या शाने तजम्मुल हय उस आलीजाहकी.
ज़ीनत होयदंद क्युं न हो ईस बारगाहकी.
फीर क्युं अदु न होवे सती ख्वारो ज़ारआज.
हय आमदे "हरीफ़" शाहे नामदार आज.

(आना गुलज़ारशाहका पुरनूर दरबारमें और उठना बराये
ताअज़ीमके दरबारीओंका जुलुस फ़रमाना शाहका
तख्ते ज़रनेगारपर और गाना रामीशगरोंने.)

## जोगीया आसावरी—ठुमरी.

नावो नावो राज—तर्ज़.

रामीशगरें—क़ायम रहे ताअबद तेरी सल्तनत अयेशाह—टेक.
गुलज़ारशाह हय नाम तेरा अय शाहे आलम;
सर सब्ज़ रहे बागे तजम्मुल तेरा हरदम—क़ायम.
बख्त चमके नीत तेरा ज्युं मेहरे मुनव्वर;
जारी रहे ये अदलो सखावत तेरी खुशतर—क़ा०.
दीन रात रहो शाद तुम शादां बसद इकराम;
अब हय ये "हरीफ़का" येही बस आखेरी कलाम—क़ा०.

(दिलगीर होना शाहका न होनेसे फ़रज़ंदके और दोआ करना ज़नाबे बारीमे वास्ते वारेसे तख्तके.)

## पीलु—गज़ल.

फीराता हय हमें कहां कहां—तर्ज़.

शाह—इलाही शुक्र हय अज़ हद तेरा अय पालेके परवर;
तेरे अहसानकी गठडी हय भारी मेरी गरदनपर—इ०.
तुने अज़ नआमते बेहतरसे मुजकु परवरीश करके;
दिया इतबा दीगर आला करमसे तेरे अय दावर—इ०.
फ़ज़लसे तेरे हय मौजुद सब कुछ या खुदावंदा;

वले एक शायका हुसायल ओ जलदीसे एनायतकर - ई॰

तु है फ़रज़ंद एक खुशरू ऐसी हय आरज़ु मेरी;

नहि कोई दुसरा वारिस के जयहो इस हुकुमतपर - ई॰

मेरी आंखोंकु ठंडक हो जे देखुं मंये हयातीमें;

नीकलुं हसरतें सारी मंये दीलकी शाद होहोकर - ई॰

खुदाया हय तुजे रोशन जे आलेमपर गुजरती हये;

नही कुदरतसे तेरे दुरगर ए उमीद लावे जर - ई॰

(मुखातीब होना तरफ़ वज़ीरके और कहेना वास्ते लाने नजुमीके.)

वज़ीर अब जुहतर जा कर बुलाला तुं नजुमी कु;

“हरीफ़” उस्से मुकद्दरका मंये पुछु हाल सब यकसर - ई॰

(आना नजुमीका रुबरु शाहके और आदाब बजा कर खडे रहेना.

फिर कहेना शाहने वास्ते दर्याफ़्त हसब हालके.)

## अहन्स-मसनवी.

नकर लालदेव-तर्ज

शाह-

हुनरवर तु अब गौर कर जुहतर, बता हाल सचसच जे हो सरबसर.

मेरे जख़्म दिलका हो मरहम अगर, लगा देना तस्कीन पावे जिगर.

बयां कर बखुबी ज़रा सोच कर, हो राहत मेरे दिलकु कुछ तो मगर.

(बयेठ जाना नजुमीने तसलीम करके और देखना

अपनी किताबमें और ढुंडना दुरसे

फीर अर्ज करना शाहसे दस्तबस्ता होके)

## आसावरी-मसनवी.

महाराज कीजे—तर्ज.

**ज़ल्लुमी-**

हो सुलतानेह् ईस तरह् कु अये जनाब, सुनो हाल सारा मेरे अये हीसाब.
मंजे हो जहूरे तशवीशमें गोतज्न, नीकाला हुं अनमोल अेक नो रतन.
मुकदरमें ह्ये आपके अेक पीसर, अेनायत करेगा ओ रब्ब ज़्हुदतर.
हो साहेबानी खुशीमें ओ खुश सयर, हुसे देव शारमावे शम्सो कमर.
चले उसमें थोडा ह्य अयशाह् अेक, हो जारा जरसका ओ शाह् ज़्हादारेक.
हो आशक परी उसकु लेजायगी, और मकसद दीली अपने जरलायगी.
जयांवार आ हवाल सारा कहा, "हरीफ" ईसमे मुतलक नहीं शाक रहा.

(दुजारा दीलगीर होना शाहका हाल सुनके नल्लुमीसे और जना. नल्लुमीने आदाब जनकर.)

## अहन्स-मरसीया.

हाये हाये-पीसर-तर्ज.

**शाह-**

खुदायों अे कयेसा ह्ये जोरो सीतम, खुशीका सुना मुज्हातीस्पे अेगम.
जगरपर मेरे अज अे कुना जेजम, हाय अफसोस गम वाय अफसोस गम.
रज्नपर में राजी हुं तेरे खुदा, मेरे दागे दील कु तु कर दे जुदा.
"हरीफ" आरजु ह्ये मेरी अेसदा, हो अे आफत जुदा हो अे आफत जुदा.

(आना ख्वासका खुश खबरी सुनाने के लीये.)

## मुखम्मस.

खवास—हो शाद दीलसे अब अय शाहनशाहे नामवर,
हकने अता कीया हये जो जेगमको एक पीसर,
मोहताज है हये नेक ओ शाहजादा जवानवर,
कर दुर दीलसे गम सभी अय शाहे खुशसयर,
दरगाहे हकमें शुक्र करो अब झुकाके सर.
(खुशी होना शाह व दरबारीओंका और शुक्र करना बारे तवल्लोदके सबोंने.)

## गझल—कालींगडा.

कहरवा—तर्ज.

सब—शुक्र हये हरआन तेरा अय कीरतार,
बर आई उमीद हमारी अहेसां हय तेरा प्यार—शुक्र.
मवला तु सरताज दोनो जहांका,
मालेक परवर सबका तु कुलका हय मुख्तार—शुक्र.
तेरे सीवा कौन हय हकीमे मुतलक.
दरदे दीलका दरमां तु साहेब सरजनहार—शुक्र.
फ़जल हुवा हमपर तेरा अय करीम,
ताजअे फ़रमां तेरा हय "हरीफ़" हरबार—शुक्र.

---

## बाब पहेला—परदा दुसरा (रास्ता.)

(बानारेबायाका खुशवकती करतेहुवे शाहके नजदीक जानेको

परीओके इनआमके.)

### गज़ल - कहरवा.

साडे तीन पैसे - तर्ज़.

सब - आवो यारो खुशीकी धुम धुम मचावो,
धुम धुम मचावो धुम धुम मचावो - आवो.
पहेला - लडका पयेदा हुवा हय शाहके यहां खुशारे,
दुसरा - सारे शेहरमें खुशवक्तीकी शोहरत हय हरसु - आ.
तीसरा - शाहने असी मुनादी फेरी अयश करो सारे,
जो कुछ हो दरकार उसको आवे पास हमारे - आ.
पहेला - चलो तखतो लेकर यारो ले आवे कुछ जर,
दुसरा - खावें पीवें मजे उडावें इससे क्या बेहतर - आ.
तीसरा - अयशो तरबमें बसर करुंगा मजे अपनी उमर.
पहेला - रंग रागमें मचा रहुंगा मजे तो दीनो रात - आवो.
दुसरा - मारे खुशीके फूल गया हुं चलना हय दुशवार.
तीसरा - उठालो मुजकु कांधेपर हुं "हरीकृष्ण" दीलदार - आ.

---

## बाब पहेला - परदा तीसरा.

### बाग.

(दिखलाई देना बागबांका फुल चुन्ते हुवे
आना शाहजादे गुलफामका इरशाद
करना बागबांकु वास्ते सेजके.)



## पीलु-लावनी.

(लंगडी रंगत.)

गुलफ़ाम-चुनके कलीयां लाहे बागमांप्यारीप्यारी फुलोंकी,
सेज पलंगपर बीछाहे मुजकु सारी फुलोंकी.
ईस्में मेरा गुल्फ़ाम हये और पीहर मेरा शाह गुलज़ार,
मुज आज़ीज़पे-मेहेरबां हयगा हमेशां ओ सरदार.
तुर्रा बनाहे फुलोंका और पहेनाहे फूलोंका हार,
कस्की जुसे-मोअत्तर हेमाग हो गम होवे फरार.
तरेह तरेहकी चीजें बना दीखलाहे जहारी फुलोंकी-से०
( हस्नजरत्ता हो अर्ज करना जागजांश शाहजादेसे. )

मनहुर — तर्ज.

## बागबां-

आरास्ता कर रख्खा हय साहेब पलंग आपका दरगुलझार,
फुलोंसे सारा सन्न हुं देखो छिठी हरसु मेहकार.
कीसम कीसमके गुलदस्ते और हय ये लो तुर्रो तैय्यार,
रहो शादमां हमेशा तुम अय मेरे शाहके दीलदार.
"हरीफ" अब आराम करो हय सेज संवारी फुलोंकी-सेज.
(जाना बागबांका आवाज जन्नकर खुश होना शाहजादेका देखकर जागो छोडके.)

## बेहाग-गजल.

गयरत न आई-तर्ज

गुलफाम-शुकरे खुदाके ईन दीनो गम दीलसे दुर हुये;
कसते खुशीका दीलमे अन्नयेज कहुर हुय-शुकरे.
कोठा चमनमे रखाके दहे कोहे तुर हुये,
चादर पलंगपे अयसी बीछा गोया नुर हुये-शुकरे.
अजतो "हरीफ" राहसे कशां वकुर हुये;
सो रहुं जाके नीन्दसे आंखेभी चुर हुये-शुकरे.
(आराम फरमाना शाहजादेका छपरघटपर आना परीका तख्तपर बयठकर सयर करते हुवे बागमें और देखकर शाहजादेकु बेकरार होना.)

## भयेरवी-ठुमरी.

छोरी जामनकी-तर्ज.

सब्ज़परी- सोज़े उलफ़त सज तनमनमेराजलानेलगी,
हुस्न अशर क्याफ़रेजे वो ह्य शह मेरी घभराने लगी-सो०
खुबीए गुल है दीलमें बसगई वस्लजीना तरसाने लगी-सो०
"हरीफ़" दीलसे जीस्म से मेरे ताजोतवां सज जाने लगी-सो०

(नज़दीक जाके.)

## ज़ीलापीलु-गज़ल.

हुरोंके होश — तर्ज़.

परी- क्या खुब नो जवान ये जोरो शबाबमें,
सोया ह्य बेखबर जैसा अतरो गुलाबमें.
जुलफें मों अमबरी ह्य परेशां ब अयने नाज़,
देखेसे ज़ीस्के दील ह्य पड़ा पेचोताबमें.
अंगुस्तरी नीशानी मे अपनी दे जाती हुं,
तसलीम ह्य "हरीफ़" तुम्हारी जनाबमें.

(जाना सब्ज़परीका शाहज़ादेकु अंगुशतरी पेहनाके व हाथोंकु बोसा देकर.)

---

# बाब पेहेला- परदा चौथा.(जंगल.)

(वास्ते सज्जेरके आनाराजा ईन्द्रका और ज़ाहेर करना हुस्ने खुद.)

## पहाडी झींझोटी-जंजरा.

हुई मुज्हो नी फ़ल — तर्ज़.

ईंद्र- मालेकुल मुल्कु लाजेज़ाल,जे अयेश ह्ये तु हुक्तम्मा खुला.

लायेक हम्द के बेशक सुबहां, जल्लाके मुतलक रहमां, जी
तेरी जात हये अझ्जलो आला – जे अयेज.



अरशो कुरसी लोहोक लमका, हुरोगीलमां कुसुरो नअमका – जी
मुख्तार तुही शाहे वाला – जे अयेज.
तेरी कुदरत हये यकताई, शोहनशाहकु जसे गदाई, जी
जसे गदाकु इतजा कुंजाला – जे अयेज.
परबतकु करे पलमें राई, समन्दरकु बनावे जाई, जी
तु कादर कुदरत वाला – जे अयेज.
तेरा जुल्वा हये संगो गौहरमें, तेरा नुर हय शम्सो कमरमें, जी
सो तरफ हये जिसका उजाला – जे अयेज.
क्या गदा औ क्या ताजदारे, मोहताज तेरे हये सारे, जी
कुल जहांका पालनवाला – जे अयेज.

હમ્દ કીસ્સે જયાં હો તેરી, હૈ અકલ યહાં તક મેરી, જો
હયે "હરીફ" તેરા મતવાલા — જે અયેજ.
(બઅદ તઅરીફ કરના જુહકી.)

## પીલુ-અબયાત.

રાજા હું મંએ કોમકા ઔર ઈન્દર મેરા નામ,
જીન પરીયોંકે દીદકે નહીં મુજેહ આરામ.
સુનોરે મેરે દેવરે દીલકો નહીં કરાર,
(હાજર હોના લાલદેવ ઔર કાલેદેવકા
ઈજઝ રાજાકે મોઅદબ ખડે રહેના.)
જલદી મેરે વાસ્તે સભા કરો તૈયાર.
તખ્ત બીછાવો જગમગા જલદીસે ઈસ આન,
મુજકુ શાદ ભર જાએગા મહફીલકે દરમ્યાન.
મેરા સંગલદીપમેં મુલકોં મુલકોં રાજ,
જો મેરા હયે ચાહતા જલસા દેખું આજ.
લાવો પરીયોંકો મેરી જલદી નઝર યહાં,
બારી બારી આનકર મુજરા કરે વહાં.
(જાના ઈન્દરકા સાથ દેવોંકે)

---

## બાબ પહેલા-પરદા પાંચવા.

### દરબાર.

(દીખલાઈ દેના દરબારીયોંકા મંએ દેવો ચોબદારોંકા ઈન્દરકી
આમદ ગાતે હુવે)



## झींझोटी-गजल.

डरके तन्हा मुजेह अये दोस्तो-तर्ज.

सभामें दोस्तों ईन्दरकी आमद आमद हुअे;
परी जमालोंके अफ्सरकी आमद आमद हुअे-सभामें-
खुशीसे चहे चहे लाजीम हुअे सुरते बुलबुल;
अब ईसचमनमें गुलेतरकी आमद आमद हुअे-स०
फरोगे हुस्नसे आंखोंको अब करो रौशन;
जमीपे मेहरे मुनव्वरकी आमद आमद हुअे-सभामें.

(आना ईन्दरका लीबासे जरीन पेहने हुवे

और जयेंठना तख्तपर सर झुकाना दरबारी-
योंका जशने तसलीमके बअद आमद
गाना पुखराज परीकी.)

## काफ़ी — गज़ल.

महफ़ीले राजमे पुखराज परी आती हय;
सारे माअशुकोंकी सरताज परी आती हय- म०
उसका साया न कभी ख्वाबमें देखा होगा;
आदमीजादमे ओआज परी आती हय- मह०
दौलते हुस्नसे हो जायगा आलम मामुर;
करने ईस बज़ममें अज राज परी आती हय- म०
(आना पुखराज परीका सलामे गाते हुवे और तसलीम
करना ईन्दरको.)

## ठुमरी पीलु-गज़ल.

पुखराज परी-

गाती हुं मअें ओर नाच सदा काम हये मेरा;
आफ़ाकमें पुखराजपरी नाम हय्ये मेरा-गाती.
फ़ंदेसे मेरे कोई नीकलने नही पाता;
ईस गुलशने आलममें बीछा दाम हये मेरा-गा०
मअें लाजकी हो लाजकी परवा नही रखती;
काइंका जलना अजु ईनआम हये मेरा-गाती.
कहेते हयें जहांमें उसे ईनसां गुलो सुम्बुल;

वो रुख हूए वो गेसुए सीयाह शाम हुये मेरा-गा०
जब मस्त मुझेह देख के होती हूए जुदाई;
मासुमुर मुझे हुस्नसे क्या काम हूए मेरा-गाती.
करती हुं दीलो जांसे मुझे रानकी परस्तीस;
कहेते हुये जीसे कुफ्र ओ ईस्लाम हूए मेरा-गाती.
(खुश होना ईन्दर का और दरख्वास्त करना गानेके लीये)

## अंजरा.

हुई सुब्हो नीकल-तर्ज.

कयसे कयसे जवां माहपारा, गये छोड जहांका पसारा;
बडे बडे शाहेनशाहआली, गये ओजी हाथसे खाली, जी
क्या सीकंदरो जम दारा- गये छोड.
हुवे हुवे पेहेलवां जो नामी, रुस्तमो ओ शामगीरांमी, जी
उठा कज्जने उनको दे मारा- गये छोड.
पुरे पुरे थे ईश्कमे शायेक, फरहाद ओ मजनुशायेक, जी
कोहो दस्त थे जीनसे आवारा- गये छोड.
अछे अछे तबीबो हकीमां, जली नुस खलातु लुकमां, जी
आगे अजलके ना चला चारा- गये छोड.
कीये कीये हजारो तसव्वर, जेहेआदवो मानी मुनव्वर, जी
शीफल मौतसे होना गवारा- गये छोड.
गये गये ओ गुलरु रंगीले, खुबी भरे सरापा रसीले, जी
मेहजबीं शीसुंगर नजारा- गये छोड.

रहे रहे ऐ राज रत्नमें, आजेर गये वो मुल्के जफ़ामे, जो
हय्ये "फ़रीक़" तु जेसहारा – गये छोड.

(तारीफ़ करना ईन्दरने पुखराज परीकी
और दरख्वास्त करना नीलमपरीकी.)

## परज कालींगडा – ठुमरी.

**ईन्दर –**

खुब रीझाया नाचके गाके, पहेलुमें मेरे बयेठ तु आके.
खुश हुई तुजसे महफ़ील सारी, अब हये नीलमपरीकी बारी. खु॰

(आमद गाना नीलमपरीकी.)

## झला – गजल.

सलामें आमदे नीलमपरी हये, सरासर ओ नजकतसे भरी हये – स॰
सीतारोंकी जपक जती हयें आजें, ओ उसके बरमें मलबुसे जरी हयें – स॰
गजब गाना हये और उसका यम कना, कभी नेका कभी वो मुशतरी हये – स॰
नदेखा होगा नाच अयेसा कीसीने, बला हये सेहेर हये जादुगरी हये – स॰

(आना नीलमपरीका सलामें गाते हुवे और तस्लीम
करना ईन्दरको.)

## झला पीलु – गजल.

**नीलमपरी –** हुरोंके होश उडते हय्ये उडनेकी शानपर;
नीलमपरी हय्ये नाम मेरा आसमानपर – हुरोंके.
अल्लाहके करमसे जमानेमें हये उरुज;
झुकता हय्ये सर फ़लकका मेरे आसतानपर – हु॰

इनसांकी क्या हय्ये असलके पुतला हय्ये जाकका;
कन जेल नते हय्ये तेरी शिलइतमें ननपर-करोंके.
नीलमको चुमचाटके आंजोपे रजते हय्ये;
शोहरा हय्ये मेरा नौहरीयोंकी दुकानपर- करोंके.
उडते नही हय्ये मेरी नजकतपे कीसे होश;
रजते हय्ये कुल हाथ गुलीसतांमे कानपर- करोंके.
नोहरा मेरे ज्यालमे घुन्ती हय्ये सरसहा;
मरते हय्येतानसेन तराने कीतानपर- करोंके.
(खुश होना इन्दरका दरबज्यास्त करना ओरगानेकेलीय्ये)

## जंनरा.

कुई सुज्को नीकल-तर्ज.

**नीलमपरी-**

कस चीनमे इश्क समावे, सो तरेहकी घुम मचावे;
हर शाज्जेमें इश्क जपा हय्ये, कहींनहेर कहीं छुपा हय्ये, क
कघर देजो उघर नजर आवे- सो तरेह.
दो कीस्मका इशक हय्ये नजनो, पाक इश्क हकीकी मानो, क
ओर मेजज अयेश मनावे- सो तरेह.
मशहुर मसल हय्ये कीसीसे, गर इश्क लगे मेंडकीसे, क
पदमनी न मनको लावे- सो तरेह.
कस जशरपे इसका साया हय्ये, उली येजेन नघोपाया हय्ये, क
जे शुमार रंग उठावे- सो तरेह.

जुग जुगली गुलपे हीरा हुऐ, परवाना शमअपे सदा हुऐ,
कुरबान अपसको जलावे - सो तरेह.
सच्चे इश्क हुऐ यकता हुनरमें, तासीर करे पथ्थरमें, जो
पानी कर उसको जहावे - सो तरेह.
इश्क करते हुऐ इन्शीनो याही, मानो हुस्नकी जो कसमेतजाही,
ये "हरीफ" दीलकी सुनावे - सो तरेह.
(तारीफ करना इन्दरने नीलमपरीकी और दरख्वास्त
करना लालपरीकी.)

## ज़सा - कुमरी.

इन्दर -
दीजो येकी तु करतब सारे, पेहलुमे अजब जोह हमारे-दि.
कीया सलामे तुने नाम, अब हुऐ लालपरीका काम-दीजो.
(आमद गाना लाल परीकी.)

## देस - गज़ल.

सलामे लालपरीकी सवारी आती हुऐ,
जमाने रंग अजब इन्दरकी प्यारी आती हुऐ - सलामे.
शफक्में आयेगा ज़ुमट नज़र सीतारोंका,
पेहनके सुर्ख्यो पोशाक भारी आती हुऐ - सलामे.
हसीन जलमके शादीसे जीत पडेगे तमाम,
गुलोंके वास्ते जाहे जहारी आती हुऐ - सलामे.
(आना लालपरीका सलामे गाते हुवे और तसलीम करना इन्दरको.)

## जसा पीलु-गजल.

लालपरी-

ईनसाफ़ काम हुस्नपे मेरे तमाम हुवे,
जोका हुवे सुर्ख लालपरी मेरा नाम हुवे-ईनसाफ़.
याकुत नर जरीद हुवे सरकारका मेरे;
नौकर अकीक लाल जहांजशा गुलाम हुवे-ईनसाफ़.
आशककु कत्ल करती हुं अबरुकी तेगसे;
दीन रात मुल्को खुन बहानेसे काम हुवे-ईनसाफ़.
पोशाक मेरी सुर्ख हुवे मुजका हुवे यांदसा;
दोनो शफ़कमे रातको माहे तमाम हुवे-ईनसाफ़.
सोब्जीपे मेरे होते हुवे मुरगे यमन हलाल;
हर गुलको जस्त जागे नहांमे हराम हुवे-ईनसाफ़.
मीरशीज मुल्कसे होता हुवे हरदम जो कुबकु;
करता लकब लगाके शाही दोमे नाम हुवे-ईनसाफ़.

( खुश होना ईन्दरका दरख्वास्त करना और गानेकी. )

## जंगला.

हुई सुब्होनी कल-तर्ज.

लालपरी-

मनमोहन करे धींगाना, कहो पनघट कैसे जाना;
कहे सजीयनसे पनहारी, चलो पनघट मीलकर सारी, क
नीर नीरमल भरकर लाना- कहो.

नारी नीकसी अपने घरसे, तन मन धनकर ले परसे, ळ
पहेन पातल अंग सोहाना- कहो.
सीस घडा हाथमें झारी, चली ठुमकत ठुमकत प्यारी, ळ
ज्युं चले हाथी मसताना- कहो.
गोरी पतली कमर लचकावे, नयनसे मस्त नागन मचलावे, ळ
देख आशक हुवा हम्ये दीवाना- कहो.
जा कुवेपे चंचल ठारी, जल भरन लगी मतवारी, ळ
सब साथीयां गावे गाना- कहो.
कहे सुंदरसे पीयु प्यारा, तेरी अदाने मुजको मारा, ळ
तु शामअ मंये हुं परवाना- कहो.
बोली मोहनसे मतवाली, चल सरक न दुंगी गाली, ळ
मत "हरीई" हमको सताना- कहो.

(ताजरीई करना ईन्दरने लालपरीकी ओर दर-
ख्वास्त करना सब्जपरीकी)

## पीलु-ठुमरी.

ईन्दर-

कटी रात मनेहमे सारी, अब्के मेरे पहेलुमें प्यारी-आती.
जहोत लडाई तुने मन, अब हम्ये सब्ज परीका ध्यान-आती.

(आमद गाना सब्जपरीकी)

## जोहाग-गजल.

आती नये अंदाजसे आज सब्ज परी हम्ये;

सब सुर्ख हय्ये पर सब्ज हय्ये पोशाक भरी हय्ये आती.
हीरोंक जीसे देखके जा लता हय्ये हीरा;
चेहरेमे नरमुईसे सीवा सुखगरी हय्ये - आती.
नेयरकी हय्ये क्या शान चेहरेसे जडनपर;
खेक शाख हय्ये नाजुकके संगुंडोंसे भरी हय्ये-आती.

(आना सब्जपरीका सभामे गाते हुये और तसलीम करना ईन्दरको.)

## जला-गजल.

सब्जपरी-माअमुर हुं शोखीसे शरारतसे भरी हुं;
धानी मेरी पोशाक हय्ये में सब्जपरी हुं-माअमुर.
क्या असल हय्ये सब्जेकी मेरी हुस्नके आगे;
हीरोंनेसे खुश रंग जमर्रदसे जरी हुं-माअमुर.
ले लेती हुं दील आंख फरीश्तोंसे मीलाकर;
ईनसां हय्ये भला क्या में नही जीनसे डरी हुं-माअमुर.
शोअला हय्ये लबुका हय्ये गजब हय्ये मेरा गुस्सा;
नजलमे परीजाद ले मंअे गर्म भरी हुं-माअमुर.
जन्नत न रहेगा मुजेह सुन लेगा जो राजा;
शहेजादा ओ गुलफामकी सुरतपे मरी हुं-माअमुर.
वो शमअ मंअ परवाना हुं वो सर्व मंअ कुमरी;
वो गुल हय्ये जहांमे मंअ नसीमे सहरी हुं-माअमुर.

(आराम करना ईन्दरका और देखना सब्जपरीने नव्वीको और अमद कहेना ईस तरेहसे.)

## ઝલા-પીલુ.

રાજ્જતો સો ગએ દીઆ ન કુછ ઈનઆમ.
જાતી હું મંએ બાગમે યહાં મેરા ક્યા કામ.
(જાતા સબ્જપરી ને કાલેદેવ કો બોલાકર.)

---

## બાબ પહેલા - પરદા છઠ્ઠા.

## રાસ્તા.

(આતા સબ્જપરી કા કાલેદેવ કો લીએ હુવે.)

## ઝલા-પીલુ.

સબ્જપરી- સુનરે કાલે દેવરે તુ મેરી એક બાત,
આતીથી રાજાકે ઘર આજકી મંએ રાત.
શહેઝાદા યક બાગપર સોતાથા નાદાન,
લેકન ઉસકો દેખકર નીકલી મેરી જાન.
ઊતરી અપને તખ્તસે તીર કલેજે ખાએ,
સોતાથા ઓ બેખબર હાથપાઊં ફૈલાએ.
સુરત ઉસ્કી દેખકર દીલસે ગયા કરાર,
મુંહપર મુંહ મંએને રખા કીયા બુબસા પ્યાર.
દીલ મેરા લગતા નહી મહફીલકે દરમ્યાન;
કાલેજ મેરા હુએ યાંહાં યહાં હુએ મેરી જાન.
ઈસ્કુ ગર તુ લાવે ઊઠા કર જલદી યાર,
લૌંડી મંએ હો જાઉંગી તેરી બે તકરાર.

(पता पूछना कालेदेवने सब्जपरीसे.)

मजकुर- तर्ज.

कालादेव- घरमे राजके हुओ तु सब्जपरीयोंकी सरदार,
तुमसे कर सकता नही हरगेज मय्ये ईनकार.
तेरी खातेर हुओ मुल्क सब्जसे यांहां सेदा,
पता बता मय्ये शुकरका लावुं भली ठीक.

(पता बताना सब्जपरीने देवको.)

मजकुर- तर्ज.

सब्जपरी- मै तु संगलदीपसे अजतर नगरमे हूं,
सोता हुओ येक माहेरे लाल महेल पर वहां.
छल्ला मैं देआई हुं अपना उसे नीशांन,
सब्जनगुंकी आजसे तु मील्क पज्जे छान.

(जाना कालेदेवका शाहजादेको लानेके वास्ते और सब्जपरीका जाना बागमे.)

---

## बाब पहेला- परदा सातवां.

### बाग.

(ले आना कालेदेवका शाहजादेको पलंगपर सोते हुवे और कहेना सब्जपरीसे.)

जभांये.

कालादेव- लाया शाहजादेको मय्ये लाके हींदुस्तान,



तु अपने माशूक़को सब्जपरी पेहेचान.

(लेना फलीदेवका और केहेना सब्जपरीका खुश होकर)

मलकुर-तर्ज.

सब्जपरी- येही शाहज़ादा मेरा येही है मेरी जान,
ये मेरा दीलदार है ईसपर मैंहे कुरबान.

(शाहज़ादेका शाना पकडकर हीलाना)

सोते हो क्या जे जजर छोडके घरबार,
आंखे खोलो लाडले नीन्दसे हो हुशयार.

(छुपजाना सब्जपरीका शाहज़ादेको जगाकर और उठना
शाहज़ादेका घबराकर केहेना आलमे हयेरतमे
पलंगपर बैठे हुवे.)

मनजुर-तर्ज.

गुलफाम - ओह मेरा क्या हुवा छुटा कीधर मकां,
सोयाथा मैंजे कीस जगे आया हुं कहां.
ना वो मेरे लोग हैंजे ना वो मेरी जा,
ख्वाब मैंजे हुं देखता जागरहा हुं यां.
(उतरना गुलफामका पलंगसे और कहेना आ-
लमे हैरतमें.)

भैरवी-गजल.

गुलफाम - घरसे यहां कौन खुदाके लीये लाया मुजको;
कीस सीतमगारने सोतेसे जगाया मुजको.
हुवे क्या ख्वाब परेशांथे दीखाया मुजको;
नजर आता है ये न अपना न पराया मुजको.
नींदसे आंख कीसीकी न खुली कोठे पर;
ऊठके मुल्केन चुंगलसे छुडाया मुजको.
हायेइ सद हायेइ कीसीने न खबरली मेरी;
क्या अजलने मेरे दीलको लुभाया मुजको.
तादमे मर्ग अज उम्मीद रहीथी नहीं;
कीस जलामें मेरे अल्लाह फसाया मुजको.
(मुतहैयुर होना गुलफामका.)

---

# बाब पहेला - परदा आठवां.

## मेहल.



(शाहज्मादेका यौंतरफ़ देखकर कहेना.)

### बेहाग - ठुमरी.

गुलफ़ाम - मुझेह कौन घरसे लाया यांहां,
बतावो कोई हुवे अेकीसका मकां - मुझेह.
सब जीछडे कोई संग न साथी,
अब्बाजान अपने मंझे पावुं कहां - मुझेह.
दीलका कीसको हाल सुनावुं,
सरपर मेरे बाप न मां - मुझेह.
(बाजा सब्जपरीका नाज करते हुवे गुलफ़ामके तरफ़ और
ताअज्जुब करना गुलफ़ामका उसे देखकर.)

## गजल-पीलु.

सब्जपरी - देखो तुम मेरी तरफ़ घरका मत लो नाम;
छोडी मुनको जानकर करो यहां आराम.
जो होना था सो हुवा जानेदो अब अफ़ेर;
चलो फ़ीरो जाव पीवो करो बागकी सफ़ेर.
बतलावो अब हमको नसब और तुम अपना नाम,
रहेते हो कीस कौममे हयेगा कहां मुकाम.
गुलफ़ाम - जीनवतमें रहेता हुं मंय और अयेश हय मेरा काम;
शाहजादा हुं हींदका नाम मेरा गुलफ़ाम.
तु औरत कीस कौमकी हय अपना नाम बता;
अय दोनो शानोपर तेरे नीकला हय ये कया.
सब्जपरी - कौमकी हुंगी मंय परी समज न तु हयेवान;
अय दोनो पर हये मेरे अय मुरख नादान.
रहेती हुं मंय काफ़मे सब्जपरी हय नाम;
राजा इन्दर के वहां नाचे मेरा हय काम.
गुलफ़ाम - बतलादी अय बतला मुनेह दीलको हय वसवास;
मेरा आना कीस तरह हुवा हय तेरे पास.
सब्जपरी - तुनपर मंय आशक हुई चलते चलते राह;
उडा मंगाया यांहा तुनेह लेनके देव सीआह.
(घबराना गुलफ़ामका देवका नाम सुनकर और
मनाना सब्जपरीका उसको.)

लअेरवी - मसनवी.

सब्जपरी - सरपे आंखोंपे कलेजेपे बीठावुं तुजको;
आ मेरे पास गलेसे मंअे लगावुं तुजको.
दीलोजांसे मुजे हे भाती हय अदाअे तेरी;
पास ला चांदसा मुंहकु मंअे बलाअें तेरी.
लेट पहेलुमें मेरे घरकुं मंअे आबाद करुं;
तुजको लीपटाउं गले वस्लसे दील शाद करुं.

गुलफ़ाम - वस्लकी तेरी कसम घरमें हय जाना मुजको;
न खबरदार अली हाथ लगाना मुजको.
मुजको नादान समज दुर हो दाना हुं मंअे;
कोमकी तुजसे परी हय तो सेयाना हुं मंअे.
जेस्या तुजसी ज़मानेमें न होगी ज़नहार;
आप बदनाम हुई मुजसे छुडाया घरबार.
भेजकर देव मुजे जींये बुलाया तुने;
आदमी जादकु फंदमें फसाया तुने.

सब्जपरी - जींदगी हय मजा अयेसी मुलाकातोंमें;
चोंचले मुजसे बचारो न करो बातोंमें.
शुक्र अल्लाहका कर लड गई कीस्मत तेरी;
यक बयक मुजसी परीको हुई उल्फ़त तेरी.
तुजको दीवाने नहीं शर्म जरा आती हय;
आज मेंली कहीं ईनसांके परी आती हय.

देख पछतायेगा मेरा जो बुरा दील होगा;
वस्ल तुजकु न परीका कभी हासील होगा.

गुलफ़ाम - घरके छुटनेका हुवे गम आहो फ़ेगां करताहुं;
वस्लका वायदा ईस शर्तसे हां करता हुं.
सुनी ईन्दरकी सभा मंय्ने कहानीमें हुवे;
उसका अरमान मुझे जोशे जवानीमें हुवे.
ओर जलसोंका तो हां हींदमें ली चरचा हुवे;
लाये परीयोंका कभी मंय्ने नहीं देखा हुवे.
साथ अपने मुझे ले चलके वो जलसा दीखला;
राजा ईन्दरके अखाडेका तमाशा दीखला.
सबेर मंय्ने तेरे साजज चांकी जो एक जार करें;
कितेक फ़ीर न कभी वस्लका ईनकार करें.
उम्रभर पाससे तेरे न कहीं जावुं मंय्ने;
जो कहे तु उसे आंखोंसे बजा लावुं मंय्ने.

सब्जपरी - अयेसी बातोंका जबांपर नहीं लाना अछा;
जान आफ़तमें नहीं मुफ़्त फ़साना अछा.
देखा ईन्दरके अखाडेपे अजब जान हुवे तु;
सख्त बेअकल हुवे दीवाना हुवे नादान हुवे तु.
अयेसी जलसेको ईनसान नहीं चलते हुवे;
वहां मेरी जान परी जहडे पर जलते हुवे.
आफ़त आ जायेगी तुजपर अरे बेकआनके जीये;

आदमीज़ादका क्या काम परसतानके जीये.
कोई शाहकु जबर लाके लगा देवेगा;
फुंक देगा वो मुनेह तुनकु जला देवेगा.
न जलाओगा तो आफ़तमें फ़साओगा तुनेह;
क्येद करके वो कुवे जीये मुआओगा तुनेह.
गुलफ़ाम- मंभे न मानुंगा न मानुंगा कली जात तेरी;
काम कीस रोज़ाई आवेगी मुलाक़ात तेरी.
जात जो असलथी मंभे अक़लसे पयेछान गया;
जाओस ईनकारका जनी मेरा दीलजान गया.
तु कीसी देवकी जीन्नमतमें यहां जती हओ;
ईस लीये मुनको सलाममें नहीं ले जती हओ.
सब्ज़परी- जात हरगेज़ ये नजांसेन नीकालो साहेब;
होशमें आवो जरा मुंहकु संभालो साहेब.
देवसे मुनकु जुरा काम जो करना होता;
आदमीज़ादपे कीस वास्ते मरना होता.
मंभे परी होके और अयेसेपे ईमान करूं;
ओजी योटीपे मुये देवकु क़ुरबान करूं.
गुलफ़ाम- दील हरओक शख़्सका ईंदमें फ़साती हओ तु;
अओ परी क्युं मुनेह जालोमें ओकाती हओ तु.
सुजको होती हओ मेरी जान कोई आनके जीये;
लओरवी यलके सुना मुनकु परसतानके जीये

वहां न लेजाओगी तो मुझे गुजर जावुंगा;
आप मैं अपना गला काटके मर जावुंगा.

(गुलफ़ामका खंजर नीकालकर खुदका गला काटने चाहना,
छीन लेना सब्ज़परीने उसके हाथसे खंजरकु और
फेंक देना ज़मीनपर.)

सब्ज़परी- मुफ़्तकी यारजराज अपनी जवानी तुने;
हाये अफ़सोस मेरी बात न मानी तुने.
अब मीलेगा न अज़ीज़ोसे न मां बापसे तु;
शेरके मुंहमें मेरी जान चला आपसे तु.
थक गये होट कहांतक अरे समजावुं मंझे;
चल अजाका तुजेह ईन्दरका दीजा लावुं मंझे.

(जाना गुलफ़ामो सब्ज़परीका हाथ पकडे हुवे.)

---

## बाब पहेला- परदा नवां.

### जंगल.

(आना गुलफ़ामो सब्ज़परीका हाथ पकडे हुवे.)

### जला-पीलु.

गुलफ़ाम- कीसतरह चलनेपे तैयार मेरी जान हुं मंझे;
तु परीज़ाद हुवे चालाक और ईनसान हुं मंझे.
उडके तु जायेगी एक पलमें परस्तानके जानिब;
हाथ फैलाके मंझे रहे जावुंगा अरमानके जानिब.

कोई उड चलनेकी तदबीर बताता है मुझको;
पर कीसी ढबके तु नीचे लाता है मुझको.
सब्ज़परी– जल्दीकी बातें न करो होशमें आवो जानी;
न परीजादकु जेपर के उडावो जानी.
(ताली बजाना सब्ज़परीका और नमुद होना हवाई तख्तका.)
थांभलो पाया मेरे तख्तका आज हातसे तुम;
छुट जाना न कहीं राहमे पर साथसे तुम.
मुझसे यां चलके कोई बात न करना साहेब;
पीछे पीछे मेरे तुम नाचमे रहेना साहेब.
गाके और नाचके बुत सबकु बनादुंगी मंये;
तुमको लेजाके दरख्तोंमे छुपादुंगी मंये.
कीसी आफतमें अेकाअेक अगर आना जानी;
याद रखना के मुझे भुल न जाना जानी.
(बेठना सब्ज़परीका उपर तख्तके पाओर पकडकर गुल-फामका लटकजाना तख्तका उपर हवाके.)

---

## बाब दुसरा – परदा पहेला.
## दरबार.

नजर आना ईन्दरका तख्तपर बेठे हुवे मंये दरबारीयोंके.
आना सब्ज़परीका गुलफ़ामको लीये हुवे और पोशीदा



(करना अेकजालुपर.)

## छंद.

सब्जपरी- सभामें बुलवाके मुने आपकीया आराम;
आई हुं मंअे फीर यहां करने अपना काम.

## परन-कुमरी.

मोरी अंजीया ईरकुन लागी;
कहां गयो यार कीधर गई सजीयां- अजीयां.
नअेनननमें दीलदार बसत हय्‍अे;
ये अंजीयां अलमास परजीयां- अंजीयां.
देह कुडत हय जीया तरपत हय;
प्रीत लगाके मल्लक हम थाजीयां-अंजीयां.

जलजल जलें मंझे कीस्ता हके;

जीये सलाके मोरी पत रंजीयां- अंजीयां.

(आना लालदेवका शोअले रेसामने ईन्दरके शीकायत करना गुलफामके आनेकी.)

## मसनवी.

लालदेव- महाराजको हुकमसे शाद काम;

नई अकड हुओ आन करता गुलाम.

मंझे जाताथा ईस दम चमनकी हवा;

हकीकत जो देखी के होश उड गया.

शजर हुओ पुराना जो शमशादका;

गुजर हुओ यहां आदमी जादका.

नही करती असल मेरी अकल काम;

वो ईनसान हुओ धाके माहेतमाम.

कीसे कौन लाया यहां अपने साथ;

ईसी फीकरमें तबसे मलता हुं हाथ.

(मुखातीब होना ईन्दरका तरफ दरबारीयोंके सब्जपरीका कहेना लालदेवसे आलमे यासमें.)

## जवाब-मसनवी.

सब्जपरी- नकर लालदेव ईस तरहके कलाम;

अरे जे मुरव्वत नजा अपनी थाम;

जुदाके गनजसे नरा दीलमें कांप;

चुगल खोरके मुंहकु डसते हुए साप.
परीकी तरफ देख आहमक न जन;
जुदाईसे जानकुं नकीले हसन.
कीसीकी जदी तु न कर अयेज हुए;
के उसका चुदा आले भुल गयेज हुए.
दीले आशक ईस जातसे हील गया;
तुनेह हाथे हुम्जजत क्या मील गया.
(पुछना ईन्दरका गनजमे आके लाल देवसे.)

## मनकुर तर्ज.

ईन्दर- अरे देव तु हुए थेक्या जक रहा;
मेरे जागमें काम ईनसांका क्या.
हुवा कीस तरेह यां जशरका गुजर;
परीओं के दरुशतसे जलते हुए पर.
कदम रख सके जनकी क्या जन हुए;
फरीशतों की यहां अकल हुअेरान हुए.
कीसी देवसे आशनाई न हो;
परी कोई साथ उसको लाई न हो.
ईसे जीये लापास मेरे शीताब;
के गुस्सेसे हुए हाल मेरा खराब.
(लना लालदेवका नजदीक गुलफामके और पुछना गुस्सेसे उसको डरना गुलफामका ईसे देखकर.)

## मसनवी.

लालदेव- बशर हुवे के जीन हुवे के साया हुये तु;
परीस्तांमें क्युं कर आया हुवे तु.
दीखा आज कर बल्के मुजसे बयां;
बीठाया तुझे लाके कीसने यहां.
चमनका कोई गुलके जुदा हुवे तु;
सीतारा यया बनके टुटा हुवे तु.
परीपर जो शायेद तेरा दील हुवा;
अखाडेमें ईन्दरके दाखील हुवा.
मेरे साथ चल बल्के अये जेगीर;
बुलाया हुवे राजने अपने हुजुर.
(लाना गुलफ़ामका लालदेवका खींचते हुवे रुबरु ईन्दरके और अर्ज करना)

## मसनवी.

लालदेव- हुजुरीमें हाजर हुवे ओ शोअले रु;
महाराज साहेब नीगाह रुबरु.
बजा आपका हुकम लाया गुलाम;
चमनमें पोंहचकर कीया अपना काम.
शजरके तलेसे उठाया ईसे;
सबाकी तरह खींच लाया ईसे.
डरा मैंने न कुछ ईसकी फ़रयादसे;

उडा लाया कुमरीकु शामशाहसे.
सीतम कीजीये जो सजावार हये;
खडा दस्त बस्ता गुनाहगार हये.
(पुछना इन्दरका गुलफ़ामको गुस्सेसे सबब आनेका.)

## ज्रहन्स - मसनवी.

इन्दर- अरे कौन हये तु तेरा क्या हये नाम;
सभा मेरी की तुने बरहम तमाम.
तुन्हे कौन लाया यहां बद सीफ़ात;
बया मुजसे कर जल्द अेवारे दात.
कीया कस्द तुने परस्तानका;
न कोई आया अपनी तुन्हे जानका.
मेरी सारी महफ़ीलकी ली आबरु;
यहां घुरने आया परयोंको तु.
बता हाल आनेका अये बद नाक;
बताउन अलीवर न कर दुंगा खाक.
(अर्ज करना गुलफ़ामका हाथ जोड कर.)

## पीलु - मसनवी.

गुलफ़ाम- कहुं क्या फ़लकका सताया हुं मैंअे;
यहां खेल कर जपे आया हुं मैंअे.
परी सब्ज़ हये जो अखाडेमे यां;
उसीका हुं दीवाना मैंअे नीमजां.

સલાકી સદા ધુમ સુનતાથા મંએ;
ઈસી શીકમે સરફ ધુંતાથા મંએ.
ઓ આને લગી આનકી શાન એ યાં;
લટકકર હુવા તખ્તસે મેં રવાં.
જલામેં પડા થા ગીરફતાર હું મંએ;
એ યાહો સઝા દો ગુનાહગાર હું મંએ.
(દેખના ઈન્દરકા સબ્જપરીકી તરફ નીગાહે ગઝબસે.)

## અહુન્સ - મસનવી.

ઈન્દર- અરી ઓ પરી સબ્જ ઓ બે હયા;
મેરે સામને નઆ આ બેસવા.
થુડી હુએ તેરી એત બુનયાદપર;
કે આશીક હુઈ આદમી એદપર.
જનાયા અરી તુને ઈનસાંકુ યાર;
જકીલે હસન સુન તુ અયે નાબકાર.
તેરા રંગ ગયરતસે ઊડતા નહી;
તુનેહ કયા પરીઝાદ બુડતા નહીં.
સલામે લગા લાઈ ઈનસાંકુ સાથ;
તેરા બજ ગીરેબાં હુએ ઔર મેરા હાથ.
(મારને ચાહના ઈન્દરકા સબ્જપરીકો છુડાના
સલોને આલમકા કરકે.)

## પરન-ઠુમરી.

तोहे छानुं अन्धनमें-तर्ज.

सज - छोडो महाराज मारी नाही कीरपाउज;
ओ पाप लगो मीलके भ्रातर- छोडो.
सगर हासकी अरज मान ले;
तुम हो दयालु महावातर- छोडो.
(अर्ज करना सब्जपरीका इन्दरसे सर झुकाकर और
नादीम करना गुलफामकोगले लीपटा कर.)

जुला- मसनवी.

सब्जपरी- नहा औ सीतमकी सजावार हुं;
हकीकतमें तेरी गुनाहगार हुं.
अरे क्युं भेजे था तुजसे कहेती थी क्या;
न माना मेरा हाय तुने कहा.
जलामें पडा आप ली जे जता;
मुजेहली अजाडेमें रुसवा कीया.
कहां रहे अज देवु राज तुजेहु;
खुदाकु मेरी जान सोंपा तुजेहु.
जो जते रहेंगे तो फीर मील जायेंगे;
नहीतो कीयेकी सजा पायेंगे.
(लालदेवका दोनोंकुं जुदा करना और गुलफाम
मका आहुलर कहेना.)

जंजरा.

गुलज़ार - हाये ईश्क़ परीने हमारा, दीलकीयाहये पारापारा;
यारो ईश्क़ अजब अजब बलाहये, घुंघट सहाक़ ईसने गलाह-
जे गुनाह हम्न रोंकु मारा - दील. (अजब
कहीं आशक़ बना हये फ़कीर, कहीं माअशुक़ बन हुवाअमीर-
कहीं छुपा कहीं आशकारा - दील. (अ
कहीं शेख बना हये फ़िरेजी, कहीं दिता जनरे गयेजी, अ
कली रीन्दोमें लगे पुकारा - दील.
मनसुर को सुली चडाया, सरमस्तके सरकोकटाया, अ
और शम्सकी खाल उतारा - दील.
मजनुको बन बन फ़ीराया, फ़रहादने तेशा खाया, अ
लयेला शीरींपे लुत्फ़ गुजारा - दील.
छेलजरा मोहेनारानी, नल दमनको कर दीया फ़ानी,
राजा हीरको करके आवारा - दील.
जे दामे ईश्क़में फ़सा हये, कली रोया कली जो हसा हये,
जे "हरीफ़" कहेवे जीयारा - दील.
(गुलज़ारका गीला करना अपनी कीसमतका)

## लयेरवी - गज़ल.

### तुमकर अपने जीये - तर्ज़.

गुलज़ार - हमने कर जगके लला तदबीर अपने हाथसे,
आप उलटी फुट जाजुट तक़दीर अपने हाथसे - हमने.
कर लीया सामांने दीलमें ईश्क़का अज फ़रते शौक़,

જુદાઈ પેહની પાવુંમે ઝનઝર અપને હાથસે- હમને.
હાએ વો સામાને કાજે ઈશ્ક સબ જાતા રહા;
જસકુ થા હમને કીયા તાઅમીર અપને હાથસે-હમને.
હાશા અલ્લાહ હમે નહી ઈસ માહવશકા કુછ કુસુર;
કર દીયા મંઅેને ઈસે દીલગીર અપને હાથસે-હમને.
સબ્જપરી- આહો ઝરીસે ભલા હોગા તુમ્હે અબ ક્યા હુસુલ;
ઝબાઉ કર બએઠે તુમ્હી તકસીર અપને હાથસે-હમને.
ક્યું ન હો તશવીશ દીલકો અબ કમાલે દારોગીર;
મુદ્દત જો ડાલે ને ડોઈ તોડીર અપને હાથસે- હમને.
ક્યા કરેં કીસમતકી ખુબીકા જયાં હમ અએ "હરીફ"
હલ કરો સબ મુશકીલોંકો ચીર અપને હાથસે-હમને.

(કેહના ઈન્દરકા લાલદેવસે ગુલફામકી ગિર-
ફતારીકે લીએ.)

## જાહન્સ- મસનવી.

ઈન્દર- અરે દેવકર કસ્દ બેદાદકા;
પકડ હાથ ઈસ આદમી ઝાદકા.
કુવા ઓન્ને હમે કાફમેં પુર ખતર;
અલી ઝકે ઊસમે ઈસે કયેદ કર.
પરી સબ્જ હમે ને એ આગે બડી;
બતા કી હમે ઈસ બેસ્વાને બડી.
સો તુ નોચકર ઈસકે પર ઓર બાલ;

अखाडेसे मेरे खली दे नीकाल.

(बख्शीश चाहना ईन्दरसे गुलफ़ामो सब्ज़-
परीकी सब दरबारीयोंने.)

लल्ला कल्यान - ईंग्रेजी तर्ज़.

ल्यो ल्यो आदम - तर्ज़.

सब - बख्शो तुम ईनको शाह मेहेर कर बता,
अर्ज़ हे हमारी हमेशगी तुमसे बर मला.
सब्ज़परी - अपने कीये पे बीचीं पशेमानी बेशुमार,
दीलसाह बख्शो अबतो बता हुं मैंने शर्म सार -
सब - बख्शो.
ईन्दर - कहता गुनाह तुने तो हमसे अयेसाही कीया,
हरगेज़ न तुजको बख्शुंगा हो दुर बे हया - सब - बख्शो.
पुखराजपरी - सीनेसे अपने कीना करो साफ़ राजा,
लालपरी - जो कुछ हुवा सो दरगुज़र करो माआफ़ राजा - सब॰
नीलमपरी - करदो रेहाई ईनकी अब शाहे खुश खीसाल,
कालादेव - दुन्यामें नाम आपका रोशन होनमुं हीलाल - सब॰
लालदेव - घबरा रहा हुं अबतो अये शाहे नामवर,
दो हुकम अबशीताब बस लावु म्हुदतर - सब - बख्शो.
ईन्दर - सबका सखुन मैंने रखता हुं देव अब तुम - सब्ज़-
परको चयेकर नीकालदे ईसकी येही सज़ा. (बख्शो.
सब्ज़परी - लो आखेरी सलाम "हरीफ़" तुम मेरा येही,

ईन्दर-वाअलेकुमुस्सलाम येलो जलवज़-सज-जक्षो.

(जाना सब्ज़परीका, गुलफ़ामका उसकी जुदाईमें आह करना.)

## सारंग-गज़ल.

आया कहांसे कां गया - तर्ज़.

गुलफ़ाम- ज़लवा देखाके हुस्नका ओ सीमबर गई,
लाला सा दाग दीलपर मेरे आह कर गई-ज़लवा.
खंजरे कमां तीर मीज़े चश्म पुर सेहर,
हर येककी अदा जता नाज़ुक कमर गई- ज़लवा.
सोने फीराक सीनेमें मेरे भडक उठी,
दीयुं ईजुदा हो मुज़से वो पेशे नज़र गई-ज़लवा.
कीस्से कहुं मंझे हाले दील अपना ल अजे "हरीफ़",
जो दर्दमंदथी ओली ज़ईफ़े ज़रर गई- ज़लवा.

(हुकुम देना ईन्दरका लालदेवको गुलफ़ामको कयेद करनेके लीये.)

## परज़-ठुमरी.

तोहे लागु अजजभे - तर्ज़.

ईन्दर- सुन देव ईसे अब यहांसे नीकाल;
कर कयेद अंधेरे कुवेमें फील हाल-सुन देव.
कोहे सीतम ज ईसपे गीरादे;
सभी तराहकी ईज्ज दे ईताल- सुन देव.

(गुलफ़ामका आहोज़ारीसे सबको सलाम करना.)

ज़ला - ग़ज़ल.

ईस आतशे उलफ़तने - तर्ज़.

गुलफ़ाम - मंझे हो असीर ज़ता हुं हज़ज़ार को सलाम,
और बारगाहे शाह को मुख़्तार को सलाम - मंझे.
तख़्ते ज़मुरद ताज को हशमत को ज़ाह को,
परीयोंको और देवोंको हरकार को सलाम - मंझे.
ईस जशन को सलाम और अयशो नशात को,
राहत को रक्सो नग़मओ तरार को सलाम - मंझे.
ज़ुलमों सीतम और शाहके अलताफ़ो करम को,
ईस आसीए हक़ीरका सरकार को सलाम - मंझे.
जशने नशीं तमाम को आज़िर हूए जये "हरी हूं",
दुशमन अज़ज़ दोस्त गमख्वार को सलाम - मंझे.
(लेजाना लालदेवका गुलफ़ामको जीयेते हुवे.)

---

## बाब दुसरा - परदा दुसरा.

### रास्ता.

(आना सब्ज़परीका हमरा परीयोंको लीये हुवे.)

### जंगला.

सब्ज़परी
मोरू छांड कहांको सीधारा, नदलाल मुसाफ़ीर प्यारा



દે દગા ગયા પરદેસી, દીલ લગીકી અયેસી તયેસી, જી
કંહા ગયા વો શોખ શરારા - નંદ.
કીધી પ્રીત પંછીની સાથે, મારી પગમાં કુવાડી હાથે, જી
કેવા દુસ્ટ કરંમ છે મ્હારા - નંદ.
ગેલા નીઘુન કંનચે દેશાલા, કુઠે પાહાવું જતાં મીત્યાલા, જી
પંડીતાસ મ્હવું વીચારા - નંદ.
નીન સીવાએ અંનાનીરે, ગંઠલ દાગા એઠી અલદુ, જી
જ્યાં જનતુ ટુટી નન યારા - નંદ.
અએ મહેરે દરજામાં દીલે મન, વાયે જુલજુલે દીલેમાં ગુ-
જયા "હરીર" મકુન આવારા - નંદ. (નશાન, જી
(પુખરાજ પરીકા તાલાશો યારકે લીએ સબ્જ પરીકો પતા દેના.)

जंन्नरा.

पुखरानपरी–

मान न्नेगंन कहेना हमारा, मील न्नएगा ओ तेरा प्यारा
न्न रेम रेस और ईरां, मावरीन नेहेर मुल्के तुरां, क
तातार जल्जो जुजारा – मील.
तातारचीन मांचीमें, और जता जुतनकी न्नमीमें, क
ईन शाहेरोंमें होगा आवारा – मील.
नेपाल मुलतां पीशावोर, कशमीर अंबाला लाहोर, क
देख देहली आगरा सारा – मील.
हरबाजार बरेली कानपुर, लखनवुं बनारस जैनपुर, क
कलकत्ता लागलपुर न्यारा – मील.
बजलपुर गवालीयर सागर, ईंदोर खानदेस न्यागर, क
शोलापुरमें होवे जीयारा – मील.
हए दराबाद मघरास मयेसुर, गुलबरगा शारीकी बींगलु
न्न धुन्ने पुना सतारा – मील. (र, क
हीर थानेमें आ दीवानी, मुंबईमें हो दीलन्नानी, क
ओ "हरीह" सीतम शआरा – मील.

(दीगर पता देना लालपरीका.)

जंन्नरा.

लालपरी–

करन्नेगन हरसु पुकारा, शायद मीले तेरा मह्रपारा;

पहले देख पालवा बंदर, फीर देख कीलेके अंदर, जी
बोरी बंदर मय्दान सारा — शायद.
मारकीट हनुमान सेरी, धोबी तलावपे कर फेरी, जी
चंनीवाडीमें होवे गुलजारा — शायद.
चीरा बजार फनस वाडी, गीरगावुं व खेतवाडी, जी
पांजरापोलमें हो दुख्यारा — शायद.
अब देख भुलेश्वर चकला, मामादेवीपे हो रंगीला, जी
पायधोनीपे होगा बीचारा — शायद.
भीडी बजार मेमनवाडा, भायखला नवा नागपाडा, जी
उंडी डोलपे हो आवारा — शायद.
कमाठीपुरेका हर येक सत्ता, सफेद गलीमें होगा भटकता, जी
होटलोंमें कर तु नजारा — शायद.
तमाशा नाटकका सारी, भीड बज्ये तेरी न्यारी, जी
पावे "हरीफ" जो दीलआरा — शायद.

(जाना सब परीयोंका.)

---

## आज दुसरा — परदा तीसरा.

### जंगल.

(आना लालदेवका गुलफामको जंजीरोंमे जकडे हुवे लेकर कुवेमें कयेद करनेके लीये और गुलफाम-का यादे माअशुकमें गम करना.)



जंगल।

गुलफ़ाम-

तड़पे हुए यहां तेरा आशक, कहां छोड़ गई जनमनरत,
अये शीरी दहन चश्म अफ़सु, हरमाहसा कुमजे मश्क़,
मोहे जना तेरा जाला मोजन- कहां। ठेक
जीन तेरे चयेन ना आवे, तेरी याद न किसे मने, ठेक
जपु नामकी नीत तेरे सुमरन- कहां।
अये रश्के मसीहा मेहरवां, बीमार तेरा हु नीमजां, ठेक
नाही ईलाज कुछ जीन दरशन- कहां।
नक्जीर करे मे हजरां, तकदीर हमसे होनाजां, ठेक
क्या लागमे मेरे लीजा जयेन- कहां।

जये जनमी रशीशं आवो, गमे ईश्कसे मुनको छुडावो,
कहुं "हरीरे" मंअे कुच तलक कथन-कहां.
(गुलफामका हाले ईश्क ब्यान करना.)

## जेहाग परन - मरसीया.

गम नहा माहु आया अजन्ने - तर्न.

गुलफाम- ईश्क यक नाग हानी जला हुअे हाअे,
ईश्क आफत नहा जर मला हुअे हाअे.
राहे ईश्कमें जो कोई चला हुअे हाअे,
आजेरश जाकमें ओ मीला हुअे हाअे.
ईश्क हासील फेना हस्त अजन्नं,
गुफ्त में अज जनाब चगीरीयां.
हाअे. फुरकत वाअे नहमत,
हाअे हेजो हालत परेशां.
हाये फुरकत हाअे फुरकत वाये- ईश्क.
ईश्कने जे तरहला फसाया हाअे,
जो न हेजाया ईसने दीजाया हाअे.
सो ने फुरकतसे तन मन जलाया हाअे,
आजेर याहु अलम में सुकाया हाअे.
गर कुनद ईश्क जा होस यारी,
हुये चे न यारेत जनुन आहो जरी.
हायेरे जोत्त वाअे फुरकत,

कहे "हरीरे" हो नालां.

हाये फुरकत वाये फुरकत वाये-ईश्क़

(लेजाना लालदेवका गुलफ़ामको खींचते हुवे कुयेमें.)

---

## बाब दुसरा - परदा चोथा.

### लगन.

(आमद गाना लगनकी)

### कल्यान - गजल.

उम्र सब मुईतमें - तर्ज.

लगन आती हुवे परी जनके परस्तानके जीये,
सुमरने हाथोमें मुंदरे हुवे पडे कानके जीये - लगन.
सरपे ओढ़ चाही रखे मुहपे रमाई हुवे ललुत,
सहेलीयां डाली हुवे गरदनमें णीरजानके जीये - लगन
चाल मतवाली हुवे आंखे हुवे मये ईश्क़से लाल,
मस्त शाहज़ादे गुलफ़ामके हुवे ध्यानके जीये - लगन

(जाना सब्ज़ परीका लखेरची लीबासमें.)

### लखेरची - ठुमरी.

लगन - मंखेतो शाहज़ादेकु ढुंडन चलीयां,
अंग ललुत लगन जन भलीयां,
छान डीरी सब गलीयां रे - मंखेतो.
जब जवत हुये डर नही आयत,

હમ મહેલોકે પરીયાંરે - મંઝેતો.
સીસ જીઉસગયો પાઊં ફુલસગયો;
ધુપમે જનજન ચલઆંરે - મંઝેતો.
લટ છટકાકે લેસ જનાકે;
દેસ જહેસ નીકલીયાંરે - મંઝેતો.
તન કુમલાગયો મુખ મુરઝાગયો;
જએસી ગુલાબકી કલીયાં - મંઝેતો.
(ગાના ગાતેહેચકા ઔર સુન્ના ઔર ગાના ખેગનગાન્ના વહાંસે.)

---

## બાબ દુસરા - પરદા પાંચવા.
## દરબાર.



(આના કાલેદેવકા રૂબરૂ ઈન્દરકે ઔર તારીફ કરના ત્નેગનકી.)

## આસાવરી-મસનવી.

કાલાદેવ- ખુદા રાજાકો રખે શાદમાં,
ત્ને ત્નન જગશીતો જોલુ ન જાં.
પરસતાનમેં ત્નેગન એક આઈ હુએ,
જલાયે ક સજ ઊસકી તમાશાઈ હુએ.
વો હુએ નાચતી ગાતી ઈસ આનસે,
કે ત્નન સદકે હોતે હુએ સોલ્નનસે.
મલી હુએ લલુત ઔર અફશાં ચુની,
ન દેખી હુએ ત્નેગન ન ઐસી સુની.

(હુકમ દેના ઈન્દરકા ખુશીતાક હોકર.)

## મનહુર - તર્જ.

ઈન્દર- ન કર દેર અએ દેવ જેકરે ખુદા,
અખાડેમેં મેરે ઊસે લાકે લા.
મંએ દેખું વો ત્નેગન હુએ કીસ શાનકી,
પરી હુએ વયા કીસ્મ ઈનસાનકી.
કીસી દેવ જીનકી સતાઈ ન હો,
મેરે પાસ ફરયાદ લાઈ ન હો.
ન લાએ વો કુછ ઔર દીલમેં ખ્યાલ,
દીખાએ મુઝે આંકે અપના જમાલ.

(જાના કાલેદેવકા તસલીમ કરકે.)

## आज दुसरा- परदा छठ्ठा.

### जंगल.



(आना सब्जपरीका फीराके गुलशनमें लटकते हुवे.)

### कालींगडा-गजल.

अगरहम जानमां- तर्ज.

जोगन-कहां पावुं तुजे ए दीलबर कीधर जावुं कहां ढुंडुं,
तेरे जीन हाल हुवे अबतर कीधर जावुं कहां ढुंडुं- कहां.
तेरी फुरकत सताती हुवे न शबको नीन्द आती हुवे,
न दीनको चयेन हुवे दमलर कीधर जावुं कहां ढुंडुं- कहां.
परेशां हालफीरती हुं जयांजांमे लटकती हुं,
चेरा हुवे अब जुनु सरपर कीधर जावुं कहां ढुंडुं- कहां.

शमअ़रे तु मंअे परवाना जला सुरत तेरी बना,
तसद्दुक ताउं तुज पर दीघर बगुं कहां ढुंढुं-कहां.
"हफ़ीज़" अब क्या करें तदबीर नही काम आती हयेतकदीर,
कहां अब जाके फोडुं सर दीघर बगुं कहां ढुंढुं-कहां.
(जाना कालेदेवका और परीजेगामें ईन्दर सुनाना)

## आसावरी-मसनवी.

कालादेव- अरी बेगम अब दीलमें हो अपने शाद,
कीया है तुजे ईन्दरने याद.
कीसीसे तेरा सुन लीया है बे हाल,
मुलाकातका शौक उसे है कमाल.
मेरा ईस करना उसे शाक हुओ,
तेरे नाचगानेका मुश्ताक हुओ.
मुराद अब तेरे दीलकी बर आयेगी,
बे मांगेगी वो चीज मील जायेगी.
न फीर गम बसर तु करेगी सवाल,
वो ओक दममें कर देगा तुजको नेहाल.
(नयाज देना बेगमका कालेदेवको तअनो लगावटसे.)

## मनफुर-तर्ज.

बेगम- अे जातें न लाना जबांपर कली,
फकीरोंसे अछी नही दील लगी.
जब वो मेरा देने वाला हुवा,

ખુશામતસે મુહ તેરા કાલા હુવા.
ફકીરોંકો દોલતકી પરવા નહી,
યહાં હરયક્કઆઈન્નલસે ક્યા નહી.
જો ગાનેકા શૌક તલબગાર હુએ,
તો યાં કીસકો ચલનેમે ઈનકાર હુએ.
( જના જોગનકા કાલેદેવકે સાથ )

---

## બાબ દુસરા - પરદા સાતવાં.
### દરબાર.



(आना कालेदेवका जोगनको लीये हुवे.)

## पंचम - मसनवी.

कालादेव- महाराज कीजे ईधर अब नीगाह,
ये जोगन हुअे हाजर जहांके तबाह.
मीला कीस जराजीसे ईसका नीशां,
हुवा मंअे परसतांमे हरसु रवां.
बहोत जल्द खीदमतमें आया हुं मंअे,
अजाडेमें जोगनको लाया हुं मंअे.

(पुछना ईन्दरका जोगनसे.)

### मजकुर- तर्ज.

ईन्दर- अरी जोगन अये ददेकी मुजतेला,
फकीरोंका क्युं भेस तुने लीया.
कीदा कीसपे हुअे कीसपे शयेदां हुअे तु,
कोई आदमी हे परी या हुअे तु.
कहांसे यहां तेरा आना हुवा,
के मुशताक सारा जमाना हुवा.
कीसे ढुंडती फीरती हुअे कुबकु,
ऊडाती हुअे जंगलकी क्युं खाक तु.

(जवाब देना जोगनका ईन्दरको जगम.)

### मजकुर- तर्ज.

जोगन- माहाराज पुछो न जोगनका हाल,

फकीरोंका दील दर्दसे हुवे नीढाल.

मेरा मुजसे माअशुक हुवे छुट गया,
मेरा राज ईस देशमें लुट गया.
यहां ढुंडने उसको आई हुं मैं अे,
जी रोगन हुं गमकी सताई हुं मअे.
सुनाती हुं गाना जो हुवे मुजको याद,
अजब क्या जो मील जावे दीलकी मुराद.
अगर रागसे गअेर हो दीलका हाल,
न जोगनका रद कीजअेंगा सवाल.
( गाना जोगनका हस्ब हाल अपने. )

जंगला.

जोगन-नज मुर्गे सहर ललकारा, जेप लाद गया जंगला.
देखो जाती उमर भोलापन, कर तन्हा गये मुल्क साजन,
नल जवो जे जोबन सारा-जेप.
क्या पीयाने दीलमें ठानी, जो मुजसे कीई बेईमानी, जो
कीस सौतन ने मारा नजरा-जेप.
कहो कोन दीसा अब जावुं, कीस तरफ पीयाको पावुं, जो
कहां कहां करुं ज पुकारा-जेप.
ढुंडी उत्तर दख्खन आलम, घुमी सारा पुरब पछ्छम, जो
कहीं मीलान प्रीतम प्यारा-जेप.
अब सजा पीयुसे कहेना, हुवे कठन तेरे बीन जीना, जो

जे मया ईश्कने मारा-जेप.

क्या जयांहो रंजोगमका, ना रहा भरोसा दमका,ज
कोई घडी हो कुच हमारा-जेप.
जस ल्या घासता मत प्यारे, आ लपट गलेसे हमारे,ज
हमें "हरीफ़" गमका मारा-जेप.

(ईरशाद करना ईन्दरका जोगनसे दीगर गानेके लीये.)

## ठींजोटी-ठुमरी.

### परदेसन जुगनी-तर्ज.

ईन्दर-

कर शाद हमे अब जोगनजी, मतवारी पीआरी जोगननीकर
ये हुक्म हमें सुनतु हमारा, खुशताक हमें मनमा सारा,
कुछ सुना रागरंग प्यारा, ता होवे अजलसा रौशननी-कर.
हो गबलु रेजता मुजम्मस, मुसमीनो सोजे मुसद्दस,
उतअ दर रेजाई मुस्लसस, सब राग रागनी करहननी-कर.
कल्यान धुरपत प्यारी, जमाये ठुमरी न्यारी,
जेहाग लखेरवी सारी, दरसादे हमकी सुभरननी-कर.
देज हुस्न तेरा यकताई, तजीयतली मेरी लहराई,
हमें "हरीफ़की" तुजको घोहाई, स्जन मेरा अेगुलशननी-कर.

(रक्स करना जोगनका.)

### मलकुर-तर्ज.

जोगन-

मेरी दुलडी कीसने चुराईनी, मतवारी पीआरी दुलडीनी-मे.
कुन्दनकी जनीथी दुलडी, हीरोंमे चुनीथी दुलडी,
ओ चन्द्र मुनीथी दुलडीनी, थे मोती उसमे जडाईनी-मेरी.
मेरे गलेकी मोहन माला, ले गई कोई हलाला,
खुदाके मुंह उसका काला, कहो कीसने उसको छुपाईनी-मे.
लावो लावो दुलडी मेरी, न तो सुनोगे तेरी मेरी,
कुं "हरीईकी" मंखे चेरी, हो जाएगी नाहक खुराईनी-मेरी.
(खुश होना ईन्दरका देना गीलोरी पानकी नवाज देना
जोगनका मफ़तुन होकर.)

नसर.

जोगन-पान लेके क्या कहुं कीसी सब्ज रंगका ध्यान हुवे,
हडीयां चुना हुवे जहन धान पान हुवे.
इश्क लहु पीपीके रंग लाया हुवे,
हीराकने कलका बीडा उठाया हुवे.
गीलोरी लीजे मुनेह क्या तकता हुवे,
फकीरोंका मुह कौन कील सकता हुवे.
(गाना जोगनका हीराके बारमें.)

भैरवी-ठुमरी.

जोगन- कहां गयो शाहजादा जानी पयारा,
दील तडपे रे हमारा- कहां.
वाका पता कही लागत नाही,

ढुंड फीरी जन सारा- कहां.
जीन लनी के ईन नयेननमें,
रखेन दीन अंधीआरा- कहां.
ग्यानमे नयेसे सुर्ज मछरीआं
तडपत होगा जीयारा- कहां.
कोई कहे उस्तादसे जाकर,
तुमरे हमका सहारा- कहां.
(दुजारा खुश होना ईन्दरका और हार देना और नवाज
देना लेगनका.)

## नसर.

लेगन- हार ज्नहार नलुंगी दीलको जार हुए,
अपना गुल ओन्नर गलेका हार होतों नहार- हुए.
शाहके दोरमें पल्लेसे आई हुं, जो मांगुसो पाउं.
(कौल देना ईन्दरका लेगनको शाद होकर और जाहेर होना
छुपे हुवे लीबासमे लेगनका.)

## नओरवी- गझल.

सब्जपरी- होता कोई आनमे अज काम हमारा,
ईन आममें दीने हुमे गुलफ़ाम हमारा- होता.
अज याहसे युसुफ़को नीकलवायो हमारे,
घुटता हुआ अंधेरेमें दीलाराम हमारा- होता.
आशकने तेरे मांगलीआ शाहसे तुमको,

देआये कोई उसको ये पयेगाम हमारा-होता.
आ बये बगल यार तो छातीसे लगालुं,
सीनेमें तपां हुये दीलेना काम हमारा-होता.
मंगवाईये शाहजादेको अब देर न कीजे,
नाम आपका हो जगमें और काम हमारा-होता.
(फेरमाना ईन्दरका लालदेवसे गुलफामकी रेहाई केलीये.)

## आसावरी-मसनवी.

ईन्दर- अरे लालदेव ईस तरफ़ बढ आ,
जरा सुनको बेगनने धोका दीया.
बनावट कीथी सारी बदुगीरी,
नही आदमी हुवे सब्जपरी.
ईसे बरकी ख्वाहेश न थां लाईथी,
छुडाने गीरफ्तारको आईथी.
कली ईसको मीलता नवो गुल ओबार,
मगर कौल हारा हुं मैंये तीन बार.
नीकाल अब कुवेसे तु गुलफामको,
हवाले कर ईस नेक अंजामको.
(बना लालदेवका सरपीटते हुवे और लाना गुलफामको और बगलगीर होना आशकोमाशुकका.)

## भयेरवी- गजल.

सब्जपरी- फकरथा हीजर क्यामतथी जुदाई तेरी;

मेरे जानेकने मुझे शकल दीखाई तेरी.

गुलफ़ाम- वाह हये मुझपे मली जान हुये सदके जीगरे;
हाये ईस ईश्कने क्या शकल बनाई तेरी.

सब्जपरी- मुझपे होनाथा जो कुछ होगया उसका नही गम;
हो गई क्यों है मुसीबतसे रेहाई तेरी.

गुलफ़ाम- मंय्ये तेरे हाथ लगा तु मेरे फंदेमे फसी;
मेरा मतलब हुवा उम्मीद बर आई तेरी.

सब्जपरी- हये तमन्ना ये मेरे दीलमे के अब हश्र तलक;
फ़जले खुदासे देखुं न जुदाई तेरी.

(मीलाना हाथ गुलफ़ामो सब्जपरीका हाथ ईद्रने जा खुशी और मुबारकबाद गाना सखीने खुशवक्तीमें.)

## लखोरवी- गझल.

सब- शादीए मुलयके गुलफ़ाम मुबारक होवे,
अयेशो अशरतका सरनजाम मुबारक होवे.
बाद मुद्दत के हसीनोका नसीबा जागा,
ईशरतपे अब आराम मुबारक होवे.
पी येके खुने जगर हीजरमें लबलबके,
शरबते वस्लका अब जाम मुबारक होवे.
हुर जन्नतको मुबारक हो फ़लकको तारे,
बागको गुल हमे गुलफ़ाम मुबारक होवे.
जेल पुरा हुवा जा रकसो सुरोदो खुशासे,

अहले महफीलको अज आराम मुबारक होवे.

## तमाम शुद.

---

## मेहेता जमनादास भगवानदासनी कंपनीए प्रगट करेलां पुस्तको.

| शाळोपयोगी पुस्तको. | रु. आ. पै. |
|---|---|
| सेन्डर्ड मर्टनना मिनींग (१५० पानाना). | ०-१२-० |
| रॉयल स्कुल ग्रामरना मिनिंग. | ०-४-० |
| रॉयल रीडर नं० १ लाना मिनिंग. | १-५-० |
| रॉयल रीडर नं० २ जाना मिनिंग. | ०-८-० |
| रॉयल रीडर नं० ३ जाना मिनिंग. | ०-१०-० |
| रॉयल रीडर नं० ४ थाना मिनिंग. | ०-१०-० |
| रॉयल रीडर नं० ५ माना मिनिंग. | ०-१२-० |
| हायर्डकृत ग्रामरना मिनिंग (मोटा). | ०-४-० |
| हायर्डकृत अंग्रेजी जीजी चोपडीना मिनिंग. | १-५-० |
| फारसी आमादन नामानो अं० गु० तरजुमो. | ०-२-० |
| शाळोपयोगी कोष्टको. | ०-१-० |
| न्यु रॉयल नंबर १ लाना मिनिंग. | ०-५-० |
| न्यु रॉयल नंबर २ जाना मिनिंग. | ०-९-० |
| न्यु रॉयल नंबर ३ जाना मिनिंग. | ०-११-० |
| न्यु रॉयल ग्रामरना मिनिंग. | ०-३-० |
| शोर्ट सेन्टेन्सीस (इंग्लीश अने गुजराती). | ०-२-० |
| ज्ञानमित्रना मिनिंग. | ०-३-० |
| ज्ञानमित्र पोथी अथवा गुजराती पेहेली चोपडी. | ०-१-० |

## વારતાઓનાં પુસ્તકો.

| | | | |
|---|---|---|---|
| ગીરધર કૃત રામાયણ. | ૨-૮-૦ | કીડલશીજયાની ચોપડી | ૦-૮-૦ |
| જલંધર આખ્યાન. | ૧-૮-૦ | કીકેટ ગાઈડ. | ૦-૧-૦ |
| મદાલસા આખ્યાન. | ૦-૮-૦ | દરેક માણસને લગતે વૈદ. | ૧-૦-૦ |
| સ્ત્રી વિલાસ ગરબાવળી. | ૦-૮-૦ | કલગી ગાયન સંગ્રહ. | ૦-૧૨-૦ |
| દલપત અને ધનપાળની વાર્તા | ૦-૨-૦ | મુરખાની વારતા. | ૦-૧૨-૦ |
| સજ્જનતા મેળવવાનાં સાધન | ૦-૨-૦ | અભીમન્યુનો ચક્રાવો. | ૦-૮-૦ |
| પાર્વતિ લક્ષ્મીજીનો સંવાદ. | ૦-૧-૦ | | |

## ઉરદુ હરફમાં છાપેલાં પુસ્તકો.

| | | | |
|---|---|---|---|
| તોહફએ દીલપજીર (જનલશા) | ૦-૧-૦ | નયરંગે ઈશ્ક. | ૦-૪-૦ |
| ગુલશને બાહાર અફઝા. | ૦-૨-૦ | દાદે દરીઆ. | ૦-૩-૬ |
| નકશે સુલેમાની. | ૦-૨-૬ | નતીજએ અસ્મત. | ૦-૩-૦ |
| અન્જુમને સજાવત. | ૦-૫-૦ | ગુલરૂશાને બેનઝીર. | ૦-૪-૦ |
| અલીબાબાને ચાલીસ ચોર | ૦-૩-૦ | અકસીરે આઝમ. | ૦-૪-૦ |
| ગુલશને બેદાદ. | ૦-૩-૦ | ગુલેબકાવલી નઈ. | ૦-૪-૦ |
| ગુલશને બેજાર. | ૦-૩-૦ | હાતમતાઈ. | ૦-૪-૦ |
| લયેલી મજનુ. | ૦-૨-૦ | નાકમુશરીફ ગઝલ નવી. | ૦-૪-૦ |

## નાટકનાં પુસ્તકો.

| | |
|---|---|
| ગુલશને બેજાર ઉર્દુ તમાશાકાએ પુરબહાર (કે જેની અંદર ૯ ઉર્દુ બેતો, જેનલસા, ઠુમરીઓ, બલ્કરાના ગાયનો, તથા મુનરાઓમાં ગવાતી ૧૫૦ ગાયનોનો સંગ્રહ કીધો છે. | ૧-૪-૦ |
| ચંદ્રસેનને ચંદ્રપ્રભા નાટક. | ૦-૬-૦ |
| ગ્રંદા દુઃખ દર્શક. | ૦-૬-૦ |
| છેલ સેલાણી અને વિક્રમ ચરીત્ર નાટક. | ૦-૬-૦ |
| તમાશાએ નતીજએ અસમત. | ૦-૬-૦ |
| અન્જુમને સજાવત (ઉર્દુ બાદશાહ બોઘા દોસ્ત.) | ૦-૫-૦ |
| ચંદન મલ્યાગરી નાટક (પાંચમી આવૃત્તિ.) | ૦-૪-૦ |
| તમાશાએ ચાંદબી. | ૦-૪-૦ |
| મકેબના (ઉર્દુ અકસરે ચેતાર.) | ૦-૪-૦ |
| ગુલશને બેદાદ (ઉર્દુ શીરીં ફરહાદ) | ૦-૪-૦ |

| | |
|---|---|
| ગોહરે પે દીલફરોશા (ઉર્ફે નઈ ઈન્દરસભા) | ૦-૩-૦ |
| સોજને અસર અથવા મોહન દુઃખ દર્શક | ૦-૩-૦ |
| નયરંગે ઈશ્ક. | ૦-૪-૦ |
| નકશે સુલેમાનીનો બીરહુ ખેલ. | ૦-૩-૦ |
| ગુલશને બાહાર અઈલ (ઉર્ફે નઈ ઈન્દરસભા) | ૦-૨-૦ |
| ગુલે બકાવલી નવી. | ૦-૪-૦ |
| જન્નતે સુખન (ઉર્ફે તીરીયા ચરત્તર). | ૦-૩-૦ |
| ગુલશને બેખાર (ઉર્ફે બુલબુલે બીમાર) | ૦-૩-૦ |
| અલીબાબા ચાલીસ ચોર. | ૦-૩-૦ |
| ઘાટે દરિયા (ઉર્ફે બાદશાહ ખુદાદાદ). | ૦-૪-૦ |
| ઈશ્ક નવબહાર (ઉર્ફે ચંદરબદન મોહીયાર). | ૦-૨-૦ |
| નંદરાજ અનેસતિ સુલોચનાના ગાયનો. | ૦-૨-૦ |
| લયલી મજનુ. | ૦-૨-૦ |
| ધ્રુવ આખ્યાન બેલમાં ગવાતાં ગાયનો. | ૦-૧-૬ |
| રસીકાનો અતિ રમુજી ફારસ. | ૦-૧-૦ |
| ચાલાક શંકરજી તથા ગુઈબ્બની ગડબડનો ફારસ. | ૦-૧-૦ |
| શ્રીકૃષ્ણ વીલાસ ગાયન. | ૦-૨-૦ |
| મોતીશા અને હાફી ચકુનો ફારસ. | ૦-૨-૦ |
| ફલસએ સનોબર. | ૦-૩-૦ |
| અફસીરે આલમ ઉર્ફે તીલસ્માતે સુલેમાની. | ૦-૧-૬ |

બીજાં નાટકના તથા પરચુરણ પુસ્તકો.

હિંદુસ્તાની ગાયન સંગ્રહ ભાગ ૧,૨,૩, દરએકનો.
સીતમે હામાન ઉર્ફે ઈરેજે અકબજીલ.
જન્નતે ઊલ્ફેત ઉર્ફે હુમાયુન નાસીર.
નદીએ સીતમગર.
બેનજીર બદ્રે મુનીર.
પુરન ભગત.
હીસાબએ

ઇન્સાફે માહમુદશાહ ગઝનવી. — ૦-૮-૦
જુલ્મે અઝલમ ઉર્ફે જૈસા કો વૈસા તો. — ૦-૬-૦
ફરેબે હીલા ઉર્ફે ચાહતે નર. — ૦-૬-૦
બ્યાજે મોહબ્બત. — ૦-૬-૦
જન્નએજાતે પરસ્તાન. — ૦-૬-૦
ગુહરે શાહદશાહ. — ૦-૬-૦
તીલસમે જોહરા. — ૦-૩-૦
જાંગીરશાહ ગોહર. — ૦-૩-૦
શકુન્તલા. — ૦-૩-૦
સદેવંત સાવળીંગા. — ૦-૧-૬
કામસેન રસીકાના ગાયન. — ૦-૧-૦
ઓખાહરણનો ઓપેરા. — ૦-૧-૦
રૂકમણી હરણ. — ૦-૧-૦
સંગીત ગાયન સંગ્રહ. — ૦-૮-૦
ગોપીચંદ નાટક (ગુજરાતી). — ૦-૬-૦
મૃછકટીક નાટક. — ૦-૮-૦
કરણ ઘેલાના ગાયન. — ૦-૧-૦
મદાલસા. — ૦-૧-૦
વીરસિંહ ચંદ્રિકા. — ૦-૧-૦
નારાયણરા પેશવાનો જેલ. — ૦-૩-૦
ને અઈઝા. — ૦-૩-૦
ાહપરી. — ૦-૨-૦
પન ઈરશાહ. — ૦-૨-૦

ે દરેક જાતની નાટકની, વારતાઓની, ગ્રંથની, ગુજ
પણ મળશે, જથ્થાબંધ લેનારને કમીશન

—

હાસની કંપની,
હાસ,